



मेघों के प्रकार

//



मेघों के प्रकार

मेघ पृथ्वी के वायुमंडल में जल की छोटी-छोटी बूँदों या बर्फ के रवों का दृश्यमान संहति (Visible Accumulation) हैं।

उच्च मेघ

पक्षाभ मेघ

- ☞ पंख के समान, पतले और बिखरे हुए
- ☞ बर्फ के रवों से निर्मित, शीतल उच्च क्षोभमंडल में निर्मित होते हैं

पक्षाभ-कपासी मेघ

- ☞ छोटे, सफेद और रोएँदार पैच (fluffy patches)
- ☞ लहरदार या छत्ते जैसा पैटर्न

पक्षाभ-स्तरी मेघ

- ☞ आसमान को ढकने वाला पतला, श्वेत आवरण
- ☞ सूर्य/चंद्रमा के चारों ओर प्रभामंडल का निर्माण करते हैं

मध्य मेघ

कपासी-मध्य मेघ

- ☞ श्वेत या भूरे रंग के धब्बे या परतों का निर्माण करते हैं
- ☞ लहरदार रूप

स्तरी-मध्य मेघ

- ☞ स्लेटी/ग्रे या ब्लू-ग्रे मेघों का निर्माण
- ☞ चक्रवात से पहले आते हैं (निरंतर वर्षा/बर्फबारी)

निम्न मेघ

कपासी मेघ

- ☞ चपटे आधार वाले फूले हुए, श्वेत मेघ
- ☞ वृहद् चक्रवाती मेघों के रूप में विकसित हो सकते हैं

स्तरी मेघ

- ☞ एकसमान परतें, जिससे बादल छाए रहते हैं
- ☞ हल्की वर्षा की संभावना रहती है

स्तरी-वर्षा मेघ

- ☞ सघन, काले मेघ
- ☞ निरंतर वर्षा/बर्फबारी

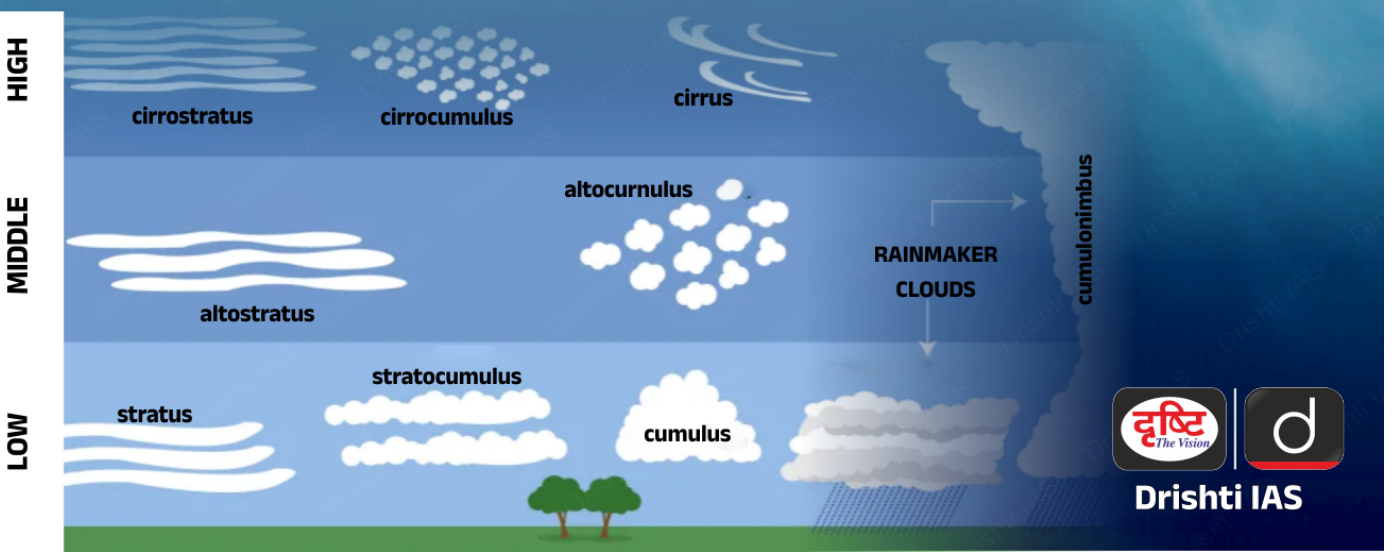
स्तरी-कपासी मेघ

- ☞ निम्न, लम्पी क्लाउड्स, स्तरी एवं कपासी मेघों का मिश्रण।
- ☞ हल्की वर्षा की संभावना रहती है

ऊर्ध्वाधर मेघ

कपासी-वर्षा मेघ

- ☞ वृहद्, उच्च मेघ
- ☞ झंझावत, तड़ित झंझा और तीव्र पवनों से संबंधित



और पढ़ें: [वर्षा-उपतट मेघ निर्माण](#)

